सदस्य का नाम - सिंहदेव, डॉ. रामचन्द्र
पार्टी का नाम - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
निर्वाचन क्षेत्र एवं क्रमांक - बैकुंठपुर (02)

पिता का नाम	-	स्व. श्री राजा रामानुज प्रताप सिंहदेव
जन्मतिथि	-	13 फरवरी, 1930
जन्म स्थान	-	बैकुंठपुर
विवाहित / अविवाहित	-	अविवाहित
पत्नी का नाम	-	---
संतान	-	---
शैक्षणिक योग्यता	-	एम.एस-सी. (रसायनशास्त्र), पी-एच.डी. (समाजशास्त्र)
व्यवसाय	-	कृषि
स्थायी पता एवं दूरभाष	-	पो.- बैकुंठपुर, जिला- कोरिया (छ.ग.)
(दूरभाष क्रं. कोड सहित)	-	दूरभाष क्र. (07836) 32234
स्थानीय पता एवं दूरभाष	-	ई-1, सिविल लाईन्स, रायपुर (छ.ग.)
(दूरभाष क्र. कोड सहित)	-	दूरभाष क्र. (0771) 331048, 331049
अभिरुचि	-	फोटोग्राफी, पुस्तक लेखन तथा सिंचाई, योजना, आर्थिकी के उन्नत स्वरूपों पर निरंतर चिंतन, जनहित के मुद्दों पर आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय सेमीनार में सक्रिय हिस्सेदारी
पुरस्कार	-	---
विशेष उपलब्धियां	-	जर्मनी स्थित अंतरराष्ट्रीय संस्था के द्वारा कुशल जलप्रबंधन हेतु सम्मानित।

(सार्वजनिक एवं राजनैतिक जीवन का संक्षिप्त विकास क्रम)

1950 - उपाध्यक्ष, इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ।
1967 - विधानसभा हेतु प्रथम बार निर्वाचित, तदन्तर 1972, 1990 में निर्दलीय,

	1993 एवं पांचवी बार 1998 में निर्वाचित
1968 –	सिंचाई मंत्री, मध्यप्रदेश शासन
1976 –	सिंचाई मंत्री, मध्यप्रदेश शासन
1984-89 –	उपाध्यक्ष, मध्यप्रदेश राज्य योजना मंडल
1998 –	मंत्री-जल संसाधन विभाग, मध्यप्रदेश शासन।
2000 –	मंत्री-वित्त, योजना, वाणिज्यिक कर, आर्थिकी एवं सांख्यिकी एवं बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन, छत्तीसगढ़ शासन। सदस्य, सामान्य प्रयोजन समिति कार्य मंत्रणा समिति छ.ग.वि.स.
प्रकाशन –	''सिविलाईजेशन ईन ए हरी'', ''इरीगेशन स्ट्रेटजी मिड कोर्स करेक्शन'', ''न्याय शासन की नींव है'' ''चिंता खाद्यान्न की'' आदि पुस्तकों के लेखक भारतीय प्रबंधन संस्थान, कलकत्ता द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों एवं पब्लिक लिमिटेड उपक्रमों के प्रबंध संचालकों को प्रबंधन विषय पर व्याख्यान हेतु समय-समय पर आमंत्रित।
	सिंचाई विशेषज्ञ, विश्व बैंक को सलाह देते हैं।
	अक्टूबर 1982 में जल प्रबंधन विशेषज्ञ के रूप में जल प्रबंध पर साक्ष्य के लिए संसद की लोक लेखा समिति द्वारा बुलाया गया था, उस समय उन्होंने जल नीति पर जो तथ्य समिति के समक्ष रखे थे, उसे 1994 में पूरे विश्व में स्वीकार किया गया, जिस पर निरंतर क्रियान्वयन जारी है।
	1960-62 के दौरान विश्व विख्यात निर्माता-निर्देशक श्री सत्यजीत रे के साथ शौकिया तौर पर कार्य किया एवं फोटोग्राफी पर लंदन में आयोजित विश्व स्तरीय प्रदर्शनी में अनेक पुरस्कार जीते.
	पर्यावरण विशेषज्ञ, 1982 में पहली बार बड़े बांधों के खतरे से विश्व को सचेत किया, नब्बे के दशक में म.प्र. राज्य योजना मंडल के उपाध्यक्ष के अपने कार्यकाल के दौरान अनेक नीतिगत सुधारों के सूत्रधार, आर्थिकी एवं योजनांर्गत मामलों के जानकार एवं उनका गहन अनुभव.
	फरवरी 2000 में उटकमंड में आयोजित आठवें राष्ट्रीय जल सम्मेलन में उद्घाटन भाषण हेतु आमंत्रित किया गया, इनकी विद्वता को देखते हुए दिनांक सितंबर 2001 में जर्मनी में आयोजित इंटरनेशनल वाटर हार्वेस्टिंग कांफ्रेंस में व्याख्यान हेतु भारत के प्रतिनिधि के रूप में विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था।